ए सब्ज़ गुम्बद वाले ! मंज़ूर दुआ करना

जब वक़्त-ए-नज़्अ' आए, दीदार अता करना

ए नूर-ए-ख़ुदा ! आ कर आँखों में समा जाना

या दर पे बुला लेना या ख़्वाब में आ जाना

ए पर्दा-नशीं ! शीं दिल के पर्दे में रहा करना

जब वक़्त-ए-नज़्अ' आए, दीदार अता करना

ए सब्ज़ गुम्बद वाले ! मंज़ूर दुआ करना

जब वक़्त-ए-नज़्अ' आए, दीदार अता करना

मै क़ब्र अँधेरी में घबराऊँगा जब तन्हा

इमदाद मेरी करने आ जाना, मेरे आक़ा !

रौशन मेरी तुर्बत को, ए नूर-ए-ख़ुदा ! करना

जब वक़्त-ए-नज़्अ' आए, दीदार अता करना

ए सब्ज़ गुम्बद वाले ! मंज़ूर दुआ करना

जब वक़्त-ए-नज़्अ' आए, दीदार अता करना

मुजरिम हूँ जहाँ भर का, महशर में भरम रखना

रुस्वा-ए-ज़माना हूँ, दामन में छुपा लेना

मक़्बूल ये अर्ज़ मेरी, लिल्लाह ! ज़रा करना

जब वक़्त-ए-नज़्अ' आए, दीदार अता करना

ए सब्ज़ गुम्बद वाले ! मंज़ूर दुआ करना

जब वक़्त-ए-नज़्अ' आए, दीदार अता करना

चेहरे से ज़िया पाई इन चाँद सितारों ने

उस दर से शिफ़ा पाई दुख-दर्द के मारों ने

आता है उन्हें, साबिर ! हर दुख कि दवा करना

जब वक़्त-ए-नज़्अ' आए, दीदार अता करना

ए सब्ज़ गुम्बद वाले ! मंज़ूर दुआ करना

जब वक़्त-ए-नज़्अ' आए, दीदार अता करन